CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

+91 7428706078
info@cedsi.in

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

अक्षयकल्प ऑर्गेनिक ने बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद पर अपना ध्यान केंद्रित किया

भारत की पहली प्रमाणित जैविक डेयरी फर्म अक्षयकल्प ऑर्गेनिक, बेंगलुरु, चेन्नई और हैदराबाद पर ध्यान केंद्रित करेगी, सह-संस्थापक और सीईओ शशि कुमार ने कहा। वर्तमान में, कंपनी कर्नाटक और तमिलनाडु में किसानों के समूहों के साथ काम करती है, जो प्रतिदिन 1.1 लाख लीटर जैविक दूध का उत्पादन करती है, जो सभी 1.5 लाख ग्राहकों को बेचा जाता है।

फर्म जैविक दही, मक्खन, पनीर, छाछ, घी, शहद, साग, सब्जियां, फल, कोमल नारियल और केले भी प्रदान करती है।

अक्षयकल्पा की यात्रा 50 किसानों से शुरू हुई और अब यह 1,200 किसानों तक पहुंच गई है। किसानों को जैविक पद्धतियों का प्रशिक्षण देकर उनकी आय 10,000 रुपये से बढ़कर लगभग 1,00,000 रुपये प्रति माह हो गई है। कंपनी टिकाऊ खेती, मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन और जल संचयन पर जोर देती है और बाहरी इनपुट को खत्म करने के लिए ऑन-फार्म खाद प्रणाली विकसित की है।

पारंपरिक खेती से जैविक खेती में बदलाव की चुनौतियों का सामना करते हुए, अक्षयकल्पा इस प्रक्रिया के माध्यम से किसानों का समर्थन करता है। कंपनी ने छोटे किसानों की खेती को व्यवहार्य और टिकाऊ बनाने के अपने मिशन को आगे बढ़ाने के लिए दिसंबर 2023 में ₹100 करोड़ सहित पर्याप्त धन जुटाया है।

आविन दूध खरीद को बढ़ाकर 40 लाख लीटर प्रतिदिन करेगा, 70 लाख लीटर क्षमता का लक्ष्य

राज्य डेयरी विकास मंत्री मनो थंगराज ने घोषणा की कि तमिलनाडु के प्रमुख दूध उत्पादक आविन ने अपनी दैनिक दूध खरीद को 36 लाख लीटर तक बढ़ा दिया है, जिसे दो सप्ताह के भीतर 40 लाख लीटर तक पहुंचाने की योजना है। आविन अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद कोयंबटूर में बोलते हुए थंगराज ने प्रतिदिन 70 लाख लीटर तक दूध की आपूर्ति करने के लिए बुनियादी ढांचे का विस्तार करने के प्रयासों का खुलासा किया।

प्रतिस्पर्धा के बारे में चिंताओं को संबोधित करते हुए, थंगराज ने जोर देकर कहा कि तमिलनाडु में अमूल के प्रवेश से आविन को कोई खतरा नहीं है, उन्होंने आविन की प्रतिस्पर्धी कीमतों, गुणवत्तापूर्ण उत्पादों और व्यापक वितरण नेटवर्क पर जोर दिया। तमिलनाडु सरकार किसानों को ऋण, सब्सिडी और पशु देखभाल के साथ सहायता करती है, जिससे आविन पसंदीदा खरीदार के रूप में मजबूत होता है।

आविन नए उत्पाद लॉन्च करने और अपनी मौजूदा रेंज में मामूली समायोजन पर विचार करने के लिए भी तैयार है, जैसे कि रासायनिक परिरक्षकों के बिना लंबे समय तक शैल्फ जीवन के साथ पाउच में घी की पेशकश करना

इसके अतिरिक्त, सरकार चरागाह भूमि में कमी को देखते हुए किसानों की सहायता के लिए सस्ते चारे के विकल्प तलाश रही है।

एनडीआरआई करनाल ने वन महोत्सव शुरू किया, 2,500 पौधे लगाने की योजना

करनाल स्थित आईसीएआर-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान (एनडीआरआई) ने वन महोत्सव कार्यक्रम शुरू किया है, जो 12 जुलाई तक चलेगा। कल्कि भवन में निदेशक एवं कुलपति डॉ. धीर सिंह द्वारा उद्घाटन किए गए इस कार्यक्रम का उद्देश्य पारिस्थितिकी संतुलन और पर्यावरण स्थिरता बनाए रखने में पेड़ों और वनों के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। डॉ. सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि मानसून के मौसम के कारण जुलाई का महीना पेड़ लगाने के लिए आदर्श महीना है।

उद्घाटन समारोह में महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल के कुलपति डॉ. सुरेश कुमार मल्होत्रा और जिला वन अधिकारी (डीएफओ) जय कुमार नरवाल ने वृक्षारोपण गतिविधियों में भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान, एनडीआरआई परिसर में लगभग 2,500 फल और सजावटी पौधे लगाए जाएंगे। यह पहल पर्यावरण को बनाए रखने और पारिस्थितिकी स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में पेड़ों और जंगलों के महत्व को रेखांकित करती है।

भारत की पहली महिला खाद सहकारी संस्था ने गुजरात के ज़कारियापुरा में बायोगैस के क्षेत्र में नवाचार किया

दुनिया के सबसे बड़े दूध उत्पादक देश भारत के सामने डेयरी पशुओं के जैव-अपशिष्ट का स्थायी प्रबंधन करने की चुनौती है। ईंधन और उर्वरक दोनों के रूप में इसकी क्षमता को पहचानते हुए, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) ने एक अग्रणी पहल के लिए गुजरात के आनंद जिले के ज़कारियापुरा गाँव का चयन किया।

अमूल से जुड़ी अपनी सभी महिला डेयरी सहकारी समिति के लिए जाना जाने वाला ज़कारियापुरा, अपने दूरस्थ स्थान और प्रचुर मात्रा में मवेशियों के गोबर के बावजूद खाना पकाने के लिए जलाऊ लकड़ी पर निर्भरता के कारण आदर्श था

एनडीडीबी ने गांव के घरों का सर्वेक्षण किया और प्रत्येक पशुपालक परिवार को 2 क्यूबिक मीटर का बायोगैस प्लांट उपलब्ध कराया। 2-3 गाय या भैंस वाले परिवार इन प्लांट को पूरी तरह से संचालित कर सकते हैं, जिससे 5-6 सदस्यों वाले परिवारों की खाना पकाने की ज़रूरतें पूरी हो सकती हैं। यह पहल मीथेन गैस को उत्पादक उपयोग के लिए एकत्रित करती है, जो पहले पर्यावरण के लिए हानिकारक थी।

स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन से परे, NDDB ने बायोगैस घोल को उर्वरक के रूप में उपयोग करने के लिए भारत की पहली महिला खाद सहकारी संस्था, ज़कारियापुरा सखी खाद सहकारी मंडली की स्थापना की। सहकारी संस्था अतिरिक्त घोल को NDDB मृदा लिमिटेड को बेचती है, जो इसे किसानों के लिए जैविक खाद में बदल देती है। यह पहल न केवल पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ाती है बल्कि ज़कारियापुरा में सामाजिक परिदृश्य को भी बदल देती है।

हरियाणा के डेयरी किसानों के लिए दूध उत्पादन अनुमान में क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला नया ऐप

हरियाणा के डेयरी किसानों को जल्द ही केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान (CIRB) द्वारा विकसित मोबाइल ऐप की सुविधा मिलेगी, जिससे दूध उत्पादन का सटीक अनुमान लगाया जा सकेगा। डॉ. सुनेश बलहौरा और उनकी टीम के नेतृत्व में यह ऐप अपने अंतिम परीक्षण चरण में है और इसकी सटीकता दर 88 प्रतिशत है। दो से तीन महीनों के भीतर प्ले स्टोर पर उपलब्ध होने वाले इस ऐप का उद्देश्य पशुधन विशेषज्ञों और विक्रेताओं की संभावित गलत सलाह पर किसानों की निर्भरता को कम करना है।

तीन वर्षों में, CIRB के वैज्ञानिकों ने लगभग 270 मुर्रा भैंसों की शारीरिक संरचना का विश्लेषण किया, जिससे एक व्यापक डेटाबेस तैयार हुआ। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग का उपयोग करते हुए, उन्होंने इन भैंसों की अधिकतम दूध उत्पादन क्षमता का अनुमान लगाने के लिए मॉडल विकसित किए। किसान अपने भैंसों के बारे में विशिष्ट विवरण ऐप में दर्ज करेंगे, जो उन्हें उच्च-उपज या कम-उपज के रूप में वर्गीकृत करेगा और स्तनपान चक्र के दौरान अधिकतम दूध उत्पादन का अनुमान लगाएगा।

यह तकनीकी नवाचार पशुपालन में निर्णय लेने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने के लिए तैयार है, जिससे किसानों को सीधे विश्वसनीय डेटा उपलब्ध होगा। यह ऐप पारंपरिक कृषि पद्धतियों में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने, हरियाणा के डेयरी फार्मिंग क्षेत्र में उत्पादकता और दक्षता बढ़ाने की व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाता है।

केंद्र सरकार हर जिले में सहकारी बैंकों और डेयरी संघों को लक्षित कर रही है: अमित शाह

केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पांच साल के भीतर सहकारी संस्थाओं की कमी वाले दो लाख पंचायतों में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के साथ-साथ प्रत्येक जिले में एक सहकारी बैंक और एक दुग्ध उत्पादक संघ स्थापित करने की केंद्र की महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की।

102वें अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम में बोलते हुए शाह ने नैनो-यूरिया और नैनो-डीएपी पर गुजरात की सब्सिडी की प्रशंसा की और उत्पादन और मृदा स्वास्थ्य के लिए उनके लाभों पर प्रकाश डाला। शाह ने ग्रामीण और कृषि अर्थव्यवस्था में सहकारी क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और सहकारी संस्थाओं के बीच सहयोग को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि 1,100 नए किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बनाए गए हैं और 1 लाख से अधिक पैक्स ने नए उपनियम अपनाए हैं।

राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) अधिक सहकारी संस्थाओं को सहायता देने के लिए 2,000 करोड़ रुपये के बॉन्ड जारी करेगा। इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार ने जैविक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय सहकारी जैविक लिमिटेड (एनसीओएल) की शुरुआत की है। शाह ने दिल्ली में पहली अनन्य अमूल जैविक दुकान का भी उद्घाटन किया और नेफेड द्वारा 100 प्रतिशत एमएसपी पर दालों की खरीद की घोषणा की। इन पहलों का उद्देश्य 30 करोड़ हाशिए पर पड़े लोगों के जीवन को बेहतर बनाना, आत्मविश्वास, खुशी और समृद्धि लाना है।

आधुनिक डेयरी पद्धतियों और महिलाओं की भागीदारी से आंध्र प्रदेश का दूध उत्पादन बढ़ा

भारत सरकार के पशुपालन एवं डेयरी विभाग (डीएएचडी) की अतिरिक्त सचिव वर्षा जोशी के अनुसार, आधुनिक डेयरी प्रथाओं को अपनाने और डेयरी में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से आंध्र प्रदेश के दूध उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है।

तिरुपति में श्रीजा महिला दुग्ध उत्पादक संगठन की 10वीं वर्षगांठ समारोह में बोलते हुए जोशी ने दूध उत्पादन में राज्य की प्रगति पर प्रकाश डाला। श्रीजा, दुनिया का सबसे बड़ा महिला स्वामित्व वाला दुग्ध उत्पादक संगठन है, जिसके 1.20 लाख से अधिक सदस्य हैं, जो प्रतिदिन आठ लाख लीटर दूध खरीदता है।

जोशी ने कहा कि आंध्र प्रदेश, जो वर्तमान में भारत में दूध उत्पादन में 5वें स्थान पर है, को शीर्ष तीन उत्पादकों में से एक बनने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने श्रीजा की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि राज्य का दूध उत्पादन 2014-15 में 96.56 लाख टन से 60% बढ़कर 2022-23 में 1.54 करोड़ टन हो गया है।

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के अध्यक्ष डॉ. मीनेश शाह ने पिछले दशक में श्रीजा की उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने संगठन की यात्रा के बारे में बताया, जो चित्तूर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड के दूध-शेड क्षेत्र से शुरू हुई थी और अब बारह जिलों तक फैल गई है।

चित्तूर मिल्क यूनियन को 1990 के दशक के मध्य में भारी नुकसान का सामना करना पड़ा, जिसके कारण 2002 में इसका परिसमापन हो गया। इसके बाद एनडीडीबी ने इसे अपने अधीन ले लिया और 2008 में बालाजी डेयरी प्लांट को मदर डेयरी को हस्तांतरित कर दिया। जुलाई 2014 में स्थापित श्रीजा अब एनडीडीबी की सुविधा के कारण पूरी तरह से महिलाओं के स्वामित्व वाली दूध उत्पादक संस्था के रूप में काम करती है।

सीईडीएसआई - नॉलेज सेक्शन

सीईएचएसआई ने बागवानी उद्यमिता को सशक्त बनाने पर सफल कार्यशाला का आयोजन किया

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया ने एमएसएमई डीएफओ करनाल के सहयोग से करनाल में बागवानी प्रशिक्षण संस्थान में उद्यमिता विकास कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यक्रम में छात्रों, किसानों और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं सहित 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में व्यवसाय नियोजन, बाजार विश्लेषण, उद्यम स्थापित करने की योजनाओं और स्टार्ट-अप के लिए वित्तीय विकल्पों में आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान किया गया। विशेषज्ञ मार्गदर्शन ने उपस्थित लोगों को बागवानी उद्यमिता में चुनौतियों का सामना करने और अवसरों का लाभ उठाने में मदद की, जिससे इस क्षेत्र में विकास और नवाचार को बढ़ावा मिला।

उद्यमिता विकास कार्यशाला

हम कौन हैं?

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई) "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर एग्रीकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएएसआई)" के तहत काम कर रहा है, यह एक स्वायत्त संगठन है जो "**एग्रीकल्चर स्किल कौंसिल ऑफ़ इंडिया (ASCI)**" के तत्वावधान में काम कर रहा है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के संगठित और असंगठित क्षेत्रों में लगे किसानों, वेतनभोगी श्रमिकों, स्व-रोज़गार पेशेवरों, विस्तार श्रमिकों आदि के कौशल और क्षमता निर्माण के लिए **कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई**) के तहत काम करना।

सीईएएसआई कृषि के विभिन्न उप-क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्रों का एक शीर्ष संगठन है।

- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (सीईडीएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर हॉर्टिकल्चर स्किल्स इन इंडिया (सीईएचएसआई)
- सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर फार्म मेकेनिज़शन स्किल्स इन इंडिया (सीईएफएमआई)

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

+91 7428706078

info@cedsi.in

www.cedsi.in Follow us on Facebook Cedsi Dairyskills Follow us on Twitter @CEDSI_India Follow us on Instagram @cedsi_india Follow us on linkedin Cedsi dairy COE

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives | NGO's/CSR Foundations | Dairy Farmers | Students | Professional

www.cedsi.in

17th July 2024

@cedsi_india

CEDSI : रविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया